>

Title: Need to declare National Holiday on Maharishi Balmiki Jayanti.

**श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ):** सभापति महोदय, महर्षि वाल्मीकि का भारत की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक परम्परा में अत्यंत विशिष्ट स्थान है। वे करूणा के अवतार हैं। उनकी संवेदना का अनन्त विस्तार है। क्रौंच पक्षी की पीड़ा को देखकर उनके हृदय से काव्य का प्रथम स्वर प्रस्फुटित होता है। इसीलिए महर्षि वाल्मीकि आदि कवि हैं। राम कथा को विश्व के सम्मुख प्रस्तुत करने वाला महाकाव्य सम्पूर्ण मानवता को उनकी अनुपम देन है। राजधर्म से बंधे राम द्वारा परित्याग किए जाने पर माता सीता को महर्षि वाल्मीकि ही आश्रय देते हैं। राम के समान ही महर्षि वाल्मीकि का व्यक्तित्व अत्यंत अद्भुत एवं विशाल है।

महोदय, सम्पूर्ण देश में महर्षि वाल्मीकि का सभी वर्ग आदर करते हैं व उनकी पूजा करते हैं। अपने देश का अत्यंत वंचित वाल्मीकि समाज अपने आदि पुरूष के नाते उनकी विशेष रूप से आराधना करता है। बहुत लम्बे समय से विभिन्न समाजों के सभी प्रतिनिधि महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर राष्ट्रीय अवकाश की मांग करते रहे हैं। परन्तु, सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि बहुत समय से लम्बित इस मांग का सम्मान करते हुए सरकार महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर तुरन्त राष्ट्रीय अवकाश घोषित करे।

MR. CHAIRMAN:

Shri Arjun Ram Meghwal,

Shri Ganesh Singh, and

Shri K. D. Deshmukh are allowed to associate themselves with the issue raised by Shri Rajendra Agrawal.